❶

ओ३म्
कृण्वन्तो विश्वमार्यम्
साप्ताहिक
आर्य सन्देश
दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा का मुखपत्र

वर्ष 43, अंक 17 एक प्रति : 5 रुपये
सोमवार 2 मार्च, 2020 से रविवार 8 मार्च, 2020
विक्रमी सम्वत् 2076 सृष्टि सम्वत् 1960853120
दयानन्दाब्द : 196 वार्षिक शुल्क : 250 रुपये पृष्ठ 8
दूरभाष: 23360150 ई-मेल : aryasabha@yahoo.com
इंटरनेट पर पढ़ें - www.thearyasamaj.org/aryasandesh

आर्यसमाज की ओर से समस्त देशवासियों को
नव सस्येष्टि पर्व – होलीकोत्सव
हार्दिक शुभकामनाएँ

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की जन्मभूमि टंकारा में ऋषि बोधोत्सव के भव्य आयोजन के अवसर पर

महर्षि दयानन्द सरस्वती की जन्मस्थली टंकारा के सौन्दर्यकरण कार्य का शिलान्यास

प्राचीन धरोहर को सहेजकर होगा जन्मस्थली का आधुनिकीकरण, भवन विस्तार एवं विश्वस्तरीय स्मारक का होगा निर्माण

सबसे प्यारा और सबसे सुंदर बने ऋषि जन्मभूमि स्थल, यही है मेरी और मेरे परिवार की भावना - पद्मभूषण महाशय धर्मपाल

हमारे गुरु ऋषि दयानंद जी का स्मारक बनेगा सबसे ऊंचा और सुंदर - आचार्य देवव्रत, महामहिम राज्यपाल,

डी.ए.वी. कालेज के लिए भूमि और ऋषि जन्मस्थान के सौंदर्यकरण हेतु देंगे विशेष धनराशि -विजय रूपाणी, मुख्यमंत्री,

महान ऋषिभक्त, उदार हृदय पद्मभूषण महाशय जी ने की दो करोड़ की पहली विशाल धनराशि देने की घोषणा

विश्व स्तरीय बने ऋषि जन्मभूमि स्मारक टंकारा –योगेश मुंजाल, चेयरमैन मुंजाल शोवा

भव्य और दिव्य बनेगा ऋषि स्मारक टंकारा –सुरेशचन्द्र आर्य, प्रधान, सार्व.आ. प्र. सभा

जन्मभूमि को आर्य तीर्थ बनाने में सहयोगी आर्यजनों का स्वागत –अजय सहगल, उपमन्त्री

सम्बन्धित समाचार पृ/ठ 7 पर

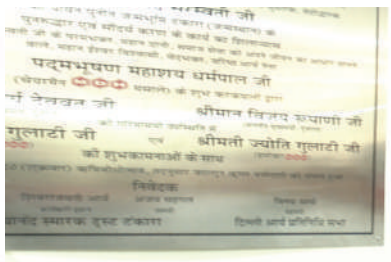

दिल्ली सभा के तत्त्वावधान में वेद प्रचार मंडलों के सहयोग से पूर्वी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली एवं पश्चिमी दिल्ली में सम्पन्न हुए

196वें महर्षि दयानन्द सरस्वती जन्मोत्सव पर यज्ञ, भजन संध्या एवं प्रेरक मार्गदर्शन कार्यक्रम

महर्षि दयानन्द गौ–सम्वर्धन केन्द्र गौशाला गाजीपुर में उमड़ी आर्यजनों की भीड़

अमर कालोनी में क्षेत्रीय आर्य समाजों एवं शिक्षण संस्थाओं के आर्यजनों का लगा तांता

डी ब्लाक विकासपुरी में हर आयु वर्ग के आर्यजनों की उपस्थिति से उत्साह की जागी लहर

दिल्ली की आर्यसमाजों एवं आर्य संस्थाओं ने सार्वजनिक रूप से यज्ञ, साहित्य वितरण, भण्डारा, ऋषि लंगर, शोभायात्रा, भजन संध्या/काव्य संध्या, शुभकामना बैनर आदि लगाकर सैकड़ों स्थानों पर मनाया जन्मदिवस
(विभिन्न आयोजनों का संक्षिप्त वर्णन एवं चित्रमय झांकियां पृष्ठ 3 एवं 5 पर)

पूर्वोत्तर भारत के सिक्कम में भी लहराया आर्यसमाज का परचम : अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ द्वारा किए जा रहे

आर्यसमाज के सेवा एवं शिक्षा कार्यों के लिए सिक्किम सरकार द्वारा भूमि आबंटित

महामहिम राज्यपाल श्री गंगा प्रसाद जी एवं मुख्यमन्त्री श्री प्रेम सिंह तमंग जी ने सौंपे भूमि आबंटन सम्बन्धी कागजात

14 मार्च को गंगटोक में महामहिम उपराष्ट्रपति श्री वैंकया नायडू करेंगे भवन का शिलान्यास

देश विदेश में शिक्षा एवं सेवा के क्षेत्र में आर्य समाज का स्वर्णिम इतिहास रहा है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सेवा ईकाई अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ के माध्यम से आर्य समाज भारत के पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम में वर्षों से शिक्षा एवं सेवा के कार्यों का संचालन कर रहा था। - शेष पृष्ठ 8 पर

कोरोना वायरस से उत्पन्न हुई परिस्थितियों के कारण सभा ने इस वर्ष होली का कार्यक्रम स्थगित कर दिया है। कृपया इस सूचना से सबको अवगत कराएं। -महामंत्री

वेद-स्वाध्याय

देवासुर संग्राम में आत्मदेव का विजय

त्वं वलस्य गोमतोऽपावरद्रिवो बिलम्।
त्वां देवा अविभ्युषस् तुज्यमानास आविशुः।। -ऋ॰ 1/11/5
ऋषिः **जेतामाधुच्छन्दसः।।** देवता - **इन्द्रः ।।** छन्दः **अनुष्टुप्।।**

शब्दार्थ - अद्रिवः = हे वज्रवाले इन्द्र! **त्वम्** = तुम **गोमतः** = गौओं को रोक रखनेवाले **वलस्य** = वल के **बिलम्** = बिल को **अपावः** = खोल देते हो। तब **देवाः** = सब देव **तुज्यमानासः** = हिंसित होते हुए, काँपते हुए भी **अविभ्युषः** = निर्भय हुए-हुए **त्वाम्** = तुझमें फिर **आविशुः** = प्रविष्ट होने लगते हैं।

विनय - हे इन्द्र ! तुम 'वल' असुर का संहार कर उस द्वारा छिपा रखी हुई देवों की गौओं को फिर देवों को दिला देते हो। तुम्हारा यह नित्य इतिहास हममें से प्रत्येक जीव में दोहराया जा रहा है। हमारे आत्मिक ऐश्वर्य ऐसे खोये जा चुके हैं कि हमें उनके बारे में कुछ पता ही नहीं है। यह हमें ढकनेवाला[1] 'वल' अज्ञानासुर ही है, जिसने हमारी आत्मिक ऐश्वर्यों की गौओं को छिपा रक्खा है। इसके वशीभूत हुए हम लोग अज्ञाननिद्रा में न जाने कब से पड़े सो रहे हैं, परन्तु हे इन्द्र ! जब तुम इस अज्ञानान्धकार का संहार कर देते हो, अज्ञान मेघ का भेदन कर देते हो, गौओं को छिपा रखनेवाले इस 'वल' के बिल को खोल देते हो, हमारी प्रसुप्तावस्था में पड़ी सुषम्ना के विवर का उद्घाटन कर देते हो, शक्ति को जगा देते हो, तब जो आश्चर्यमय अवस्था आती है वह तो स्वयं देखने ही योग्य है। तब वे छिपी गौएँ निकल पड़ती हैं, एक-से-एक अद्भुत आत्मिक ऐश्वर्य प्रकट होने लगते हैं। अन्दर प्रकाश हो जाता है, आनन्ददायक कम्पन होते हैं और आनन्द की लहरें उठती हैं तथा हे आत्मन् ! तुम्हारी सब दिव्य शक्तियाँ आ-आकर तुमसे संयुक्त होने लगती हैं। हे इन्द्र ! हम तुम्हारे पराक्रम की क्या कथा कहें? वलासुर तो अपने अन्धकार द्वारा तुम्हारे देवों को उनके ऐश्वर्यों से पृथक् कर चुका होता है और तुमहारे इन देवों को तुमसे भी विच्छिन्न कर चुका होता है, पर ऐसी अवस्था पहुँच जाने पर भी तुम अपने वज्र से जब उसका संहार करने लगते हो एकदम प्रकाश की धाराएँ बहने लगती हैं और उस प्रकाश में वे सब ऐश्वर्य देवों को फिर मिल जाते हैं एवं ऐश्वर्ययुक्त हुए ये देव कभी-कभी 'वल' के प्रहारों से मारे जाते हुए और काँपते हुए भी अब निर्भय होकर तुममें प्रविष्ट होने लगते हैं, आ-आकर तुमसे संयुक्त होने लगते हैं।

1. 'वलो वृणीते:'-निरुक्त 6-2।

-: साभार :-
वैदिक विनय

वैदिक विनय : यह पुस्तक वैदिक प्रकाशन, दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15 हनुमान रोड, नई दिल्ली में उपलब्ध है। अपने ज्ञानवर्धन के लिए आज ही अपना आदेश मो. नं. 9540040339 पर प्रेषित करें।

सम्पादकीय

वैश्विक स्वास्थ्य के लिए खतरा कोरोना वायरस

सावरकर अम्बेडकर और वामपंथ

.....समाजिक न्याय के नए-नवेले पैरवीकार बनने की होड़ में खुद को बाबा साहब का अनुयायी बताने वाले वामपंथी दशकों के लम्बे इतिहास में एक दलित महासचिव तक पोलित ब्यूरो में नहीं दे पाए हैं। पोलित ब्यूरो में दलितों की भागीदारी के प्रश्न पर भी वामपंथी बगले झांकते नजर आते हैं। वामपंथी पार्टी के पोलित ब्यूरो में महिलाओं की स्थिति भी ढांक के तीन पात से ज्यादा कुछ भी नहीं है। पहली बार वृंदा करात शामिल भी हुईं तो इसके पीछे परिवारवाद का ही असर था, जिसकी मुखालफत का ढोंग वामपंथी अक्सर करते रहते हैं। दरअसल वृंदा करात पतिकोटे से पोलित ब्यूरो की शोभा बढ़ा रही हैं।.....

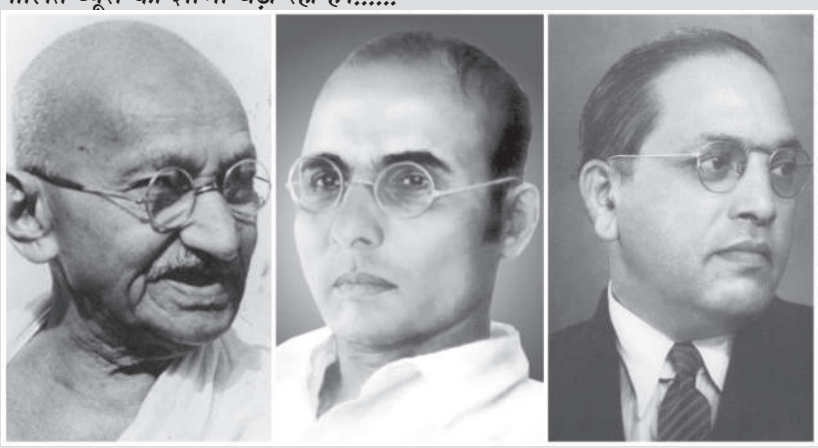

एक समय वह भी था जब वामपंथ के समाजवाद का नशा कई देशों में फैला, राजतन्त्र के खिलाफ क्रांतियाँ हुईं। किसान गरीब समाजवाद के पैरोकार बने वामपंथी कई देशों में सत्तासीन भी हुए। इनमें क्यूबा भी एक देश है। प्रमुख कम्युनिष्ट नेता फिदेल कास्त्रो यहाँ के राष्ट्राध्यक्ष थे। बताया जाता है 1993 में फिदेल की ओर से भारत के कम्युनिस्ट नेता ज्योति बसु को क्यूबा आने का निमंत्रण मिला था तो उनके साथ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव सीताराम येचुरी भी गये थे।

फिदेल के साथ भारतीय वामपंथियों की वह बैठक डेढ़ घंटे चली, कास्त्रो इनसे सवाल पर सवाल किए जा रहे थे। भारत कितना कोयला पैदा करता है? वहाँ कितना लोहा पैदा होता है? किसान मजदूर की आय से लेकर अनेकों प्रश्न कर डाले। एक समय ऐसा आया कि ज्योति बसु ने बंगाली में येचुरी से कहा, फरकरी आमार इंटरव्यू नीच्चे ना कि (ये क्या मेरा इंटरव्यू ले रहे हैं क्या?) जाहिर है ज्योति बसु को वह आँकड़े याद नहीं थे। तब फिदेल ने येचुरी तरफ कर कहा भाई ये तो बुजुर्ग हैं। आप जैसे नौजवानों को तो ये सब याद होना चाहिए।

फिदेल के साथ इस एक मुलाकात ने भारत के वामपंथ की धज्जियाँ उड़ा दी थीं। क्योंकि ये सब बातें सिर्फ इनके नारों में थी जमीनी धरातल पर इन्हें शोषित गरीब किसान से कोई लेना देना नहीं था। यही कारण था कि डॉ भीमराव अंबेडकर वामपंथियों की जमकर आलोचना करते थे। अम्बेडकर का स्पष्ट मानना था कि वामपंथी विचारधारा संसदीय लोकतंत्र के खिलाफ है और अराजकता में विश्वास रखते है। इनका समाजवाद दिखावे का ढोंग है। क्योंकि पोलित ब्यूरो में किसी भी दलित को स्थान नहीं था। यही नहीं बाबा साहेब वामपंथ, मुस्लिम लीग सहित इन विचारधाराओं के कटु आलोचक थे, जबकि उन्होंने कुछ मुद्दों पर सावरकर से सहमत थे। सावरकर की राष्ट्रवादी विचारधारा वामपंथियों के निशाने पर तब भी थी, आज भी है। वहीँ अम्बेडकर, सावरकर की हिन्दू एकजुटता के अभियान से सहमत थे।

आज हालत बदल गये अब अगर वर्तमान परिवेश की बात करें तो वामपंथी राजनीति की दौड़ से लगभग बाहर हो गये। इक्का दुक्का राज्य छोड़ दे तो भारत से लगभग साफ हो चुके हैं। यानि वामपंथ की विचारधारा लोगों ने अस्वीकार कर दी है क्योंकि वामपंथ की सोच में धर्म, राष्ट्र और भारत नहीं है। अब इस बिना भारत की सोच के भरोसे जनता के बीच जाने की हिम्मत अब वामपंथियों में भी नहीं बची तो एक नया एजेंडा इन लोगों द्वारा शुरू किया गया जिसे नाम दिया कट्टर हिंदुत्ववाद, मनुवाद, सवर्णवाद और जो धर्म भारत या राष्ट्र की बात करेगा उसे दक्षिणपंथी कहना शुरू कर दिया।

कुछ समय पहले वामपंथी जनहीन होने शुरू गये थे। समाजवाद का इनका गांजा बिकना बंद हो गया था तो अब अंबेडकर के बहाने दलितों को और धर्मनिरपेक्षता के नाम पर मुसलमानों को रिझाने का काम शुरू किया। सामाजिक न्याय का एक नया बहाना बनाना शुरू किया और भारत में समस्त समस्या की जड़ के रूप में हिंदुत्व को दर्शाना शुरू किया।

90 के दशक के बाद वामपंथियों ने जब देखा कि मार्क्स और लेनिन का लोगों की नजरों में कोई वजूद नहीं बचा। लोगों को भारतीय धराधाम से जुड़े नायक चाहिए तो इन्होने डॉ अंबेडकर को अपना नायक बनाया और सरदार भगतसिंह जी को लेकर उस पर वामपंथ ठप्पा नाटक करना शुरू किया परन्तु जल्दी ही इस नाटक का भी पर्दाफाश आर्य समाज द्वारा कर दिया गया। लोगों को पता था कि सरदार भगतसिंह जी एक कट्टर आर्य समाजी परिवार के घर जन्में थे। उनके अन्दर आर्य समाज के संस्कार गहरे थे।

तो इन लोगों ने अंबेडकर को लेकर अपना खेल शुरू कर दिया। इस तरह पेश किया जैसे अंबेडकर जी इस देश समाज से अलग थे और वामपंथी उनके सगे थे। हालाँकि अंबेडकर से अन्य वर्ग को कोई ज्यादा एतराज नहीं था। किन्तु वामपंथियों ने अंबेडकर की छवि को ऐसा बनाना शुरू किया जैसे भारत इसकी एकता अखंडता से कोई सरोकार नहीं था। दूसरी तरफ दामोदर वीर सावरकर की छवि को बदनाम करना शुरू किया। सावरकर का गुनाह सिर्फ यह है कि उन्होंने ब्रिटिश साम्राज्य से देश को मुक्त करवाने के लिए अपना सर्वस्व दांव पर लगाया और गांधीवाद के विरोधी थे। राष्ट्रवादी थे मुगलों को अपना आदर्श मानने से इंकार करने वाले थे। इन वजहों से सावरकर को दक्षिणपंथी कहना आरम्भ कर दिया।

अब वामपंथ की विचारधारा को जब बिलकुल भी बल नहीं मिला लोगों ने 35 साल का पश्चिम बंगाल का शासन देखा और नकारा तो सवर्णवाद के खिलाफ झंडा उठाकर बाबा साहब अम्बेडकर का नाम लेने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। जबकि यह तथ्य है कि समाजिक न्याय के नए-नवेले पैरवीकार बनने की होड़ में खुद को बाबा साहब का अनुयायी बताने वाले वामपंथी दशकों के लम्बे इतिहास में एक दलित महासचिव तक पोलित ब्यूरो में नहीं दे पाए हैं। पोलित ब्यूरो में दलितों की भागीदारी के प्रश्न पर भी वामपंथी बगले झांकते नजर आते हैं। वामपंथी पार्टी के पोलित ब्यूरो में महिलाओं की स्थिति भी ढाक के तीन पात से ज्यादा कुछ भी नहीं है। पहली बार वृंदा करात शामिल भी हुईं तो इसके पीछे परिवारवाद का ही असर था, जिसकी मुखालफत का ढोंग वामपंथी अक्सर करते रहते हैं। दरअसल वृंदा करात पतिकोटे से पोलित ब्यूरो की शोभा बढ़ा रही हैं। चुनावी राजनीति में प्रत्यक्ष तौर पर हिस्सा लेने वाले जिस राजनीतिक संगठन में दलितों, पिछड़ों, महिलाओं की भागीदारी नगण्य हो, वे जब समाजिक न्याय का प्रश्न उठाते हैं तो बड़ा हास्यास्पद लगता है। सवर्णवाद और मर्दवाद सहित सामन्ती सोच की झांकी वामपंथी दलों से ज्यादा कहीं और नहीं दिख सकती है।

- सम्पादक

दिल्ली सभा के तत्त्वावधान में वेद प्रचार मंडलों के सहयोग से पूर्वी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली एवं पश्चिमी दिल्ली में सम्पन्न हुए

196वें महर्षि दयानन्द सरस्वती जन्मोत्सव पर यज्ञ, भजन संध्या एवं प्रेरक मार्गदर्शन कार्यक्रम

अमर कालोनी, नई दिल्ली

दिल्ली की समस्त आर्य समाजों की ओर से दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्त्वावधान में आर्य समाज अमर कालोनी एवं दक्षिण दिल्ली वेद प्रचार मण्डल द्वारा 18 फरवरी 2020 को सामुदायिक भवन अमर कालोनी में महर्षि दयानंद सरस्वती जी का 196वां जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी, आर्य केंद्रीय सभा के महामंत्री श्री सतीश चड्डा जी, दक्षिणी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के प्रधान श्री ओम प्रकाश यजुर्वेदी जी, आर्य समाज अमर कालोनी के प्रधान श्री जितेंद्रर डाबर जी, मंत्री श्री ओम प्रकाश छाबड़ा जी, दिल्ली सभा के उपप्रधान श्री ओम प्रकाश आर्य जी, श्री योगेश आर्य जी, आर्य समाज अमर कालोनी द्वारा संचालित आर्य विद्यालय के होनहार बच्चों के साथ वहां की प्रधानाचार्या जी एवं श्रीमती अर्चना जी एवं दक्षिणी दिल्ली की आर्य समाजों के सभी सम्मानित अधिकारी, कार्यकर्त्ता और सदस्य उपस्थित थे।

यज्ञ से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ जिसमें आर्यसमाज में संचालित विद्यालय के छात्रों व अध्यापिकाओं सहित उपस्थित अधिकारियों ने यज्ञ में आहुति दी। यज्ञ ब्रह्मा के रूप में श्री ओम प्रकाश यजुर्वेदी जी, श्री प्रदीप शास्त्री जी, श्री चंद्रशेखर शास्त्री जी, श्री शिवा शास्त्री जी उपस्थित रहे। इसके उपरांत श्री अंकित उपाध्याय जी एवं श्रीमती संगीता आर्या जी के मधुर भजनों ने उपस्थित जनसमुदाय को भावविभोर कर दिया।

महर्षि दयानंद सरस्वती के 196वें जन्मोत्सव पर आर्य समाज के प्रचार-प्रसार में उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने वाले महानुभावों में डॉ. पूर्ण सिंह डबास जी, श्रीमती कृष्णा ठुकराल जी, श्री रामचंद्र कपूर जी, क्षेत्रीय निगम पार्षद श्री अभिषेक गर्ग जी, क्षेत्रीय विधायक श्री मदनलाल जी, अमर कालोनी आर्य समाज एवं दक्षिणी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के समस्त अधिकारियों को दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से पीत वस्त्र, शाल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। दिल्ली सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने महर्षि दयानंद सरस्वती के उपकारों की याद दिलाते हुए ऋषिवर को स्वतंत्रता का पुरोधा बताया और कहा कि इस अवसर पर हमें राष्ट्र को जगाने का संकल्प लेना चाहिए। आर्य समाज राष्ट्रवादी मंच है। हम जागेंगे तो जग जागेगा, प्रधान जी ने बच्चों से गायत्री मंत्र के भावार्थ का उच्चारण भी कराया। उपस्थित सभी महानुभावों को ऋषि जन्मोत्सव की बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी। श्री राकेश भटनागर जी ने उपस्थित जनों का नाम लेकर धन्यवाद किया। शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रेम सौहार्द के वातावरण में भोजन करके सभी लोगों ने प्रस्थान किया।

महर्षि दयानंद गौसंवर्धन केंद्र गाजीपुर

दिल्ली की समस्त आर्य समाजों की ओर से दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं वेद प्रचार मण्डल पूर्वी दिल्ली द्वारा महर्षि दयानंद सरस्वती जी के 196वें जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री उदयभानु शास्त्री जी के ब्रह्मत्व में यज्ञ से हुआ। श्रीमती एवं श्री जय नारायण अग्रवाल जी ने यज्ञ में मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित होकर आहुति दी। इस अवसर पर पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी समारोह के अध्यक्ष पद पर सुशोभित हुए और उन्होंने महर्षि दयानंद सरस्वती के जन्मदिवस पर उपस्थित आर्यजनों को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दिया। श्री बच्चन सिंह आर्य जी उपप्रधान एवं पूर्व मंत्री हरियाणा सरकार ने ध्वजारोहण किया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री ओम प्रकाश शर्मा जी विधायक विश्वास नगर विधान सभा पूर्वी दिल्ली का सभा की ओर से सम्मान किया गया। इस अवसर पर श्री देवेश चौधरी जी, श्री पृथ्वीपाल आर्य जी, श्री वेदव्रत शर्मा जी, श्री सुबोध कुमार जी, श्री पुष्पेंद्र आर्य जी, श्री विनय आर्य जी, श्री शिव कुमार मदान जी, श्री अशोक गुप्ता जी, श्री सुनहरी लाल यादव जी, श्री ऋषिराज जी, श्री सुरेंद्र रैली जी, श्री अरुण प्रकाश वर्मा जी इत्यादि अधिकारी, कार्यकर्त्ता एवं आर्यजन उपस्थित थे।

महर्षि दयानंद सरस्वती जी के 196वें जन्मोत्सव पर श्री देवशर्मा जी एवं श्रीमती अमृता आर्या जी के द्वारा राष्ट्रभक्ति, ऋषि भक्ति और ईश्वरभक्ति के मधुर भजनों का गायन सभी को बहुत आनंदविभोर करने वाला सिद्ध हुआ। लगभग डेढ़ घण्टे तक भजनों का कार्यक्रम चलता रहा। इस अवसर पर दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा की ओर से श्री ओम प्रकाश शर्मा, क्षेत्रीय विधायक को सम्मानित किया गया। इस क्रम में श्री ओम प्रकाश भटनागर जी, श्री ओम प्रकाश पाण्डेय जी, श्री किशोर मैंदीरत्ता जी, श्रीमती पुष्पलता आहुजा जी, श्रीमती विचित्र वीर जी इत्यादि सेवाभावी आर्य नर-नारियों को आर्य समाज के प्रति उनकी उत्कृष्ठ सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। पूरा कार्यक्रम बहुत ही प्रेम और सौहार्द के वातावरण में प्रेरणाप्रद सिद्ध हुआ। आर्य समाज सी ब्लाक जनकपुरी से एक पूरी बस जिसमें प्रधान श्री जयपाल गर्ग सहित सभी व्यक्ति थे। सभी उपस्थित महानुभावों के लिए भोजन की सुंदर व्यवस्था की गई थी और इस व्यवस्था के संयोजक श्री हरिओम बंसल जी, मंत्री आर्य केंद्रीय सभा द्वारा की गई।

आर्य समाज डी-ब्लाक विकासपुरी

महर्षि दयानंद सरस्वती जी के 196वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें श्री सूर्यदेव शास्त्री जी के ब्रह्मत्व में यज्ञ से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ और इसके उपरांत श्री अंकित उपाध्याय एवं साथियों सहित मधुर भजनों की स्वर लहरियों से सारा वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर पश्चिमी दिल्ली की लगभग समस्त आर्य समाजों के अधिकारी, कार्यकर्त्ता और सदस्य उपस्थित थे। महाशय धर्मपाल आर्य प्रतिभा विकास संस्थान के विद्यार्थी तथा आर्य समाज डी-ब्लाक में प्रतिदिन ट्यूशन पढ़ने वालो विद्यार्थी भी उपस्थित थे। आर्य केंद्रीय सभा के महामंत्री श्री सतीश चड्डा जी, आर्य समाज डी-ब्लाक के प्रधान श्री हरीश कालरा जी, मंत्री श्री ज्योति भूषण जी, श्री ओम प्रकाश घई जी, आर्य समाज ग्रुप हाउसिंग विकासपुरी, आर्यसमाज आउटर रिंग रोड विकासपुरी के प्रधान श्री वेद प्रकाश जी, इत्यादि महानुभाव उपस्थित थे। भजनों के साथ सभी तालियों की संगत दे रहे थे। इस अवसर पर समाज में ट्यूशन पढ़ने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। बड़े ही प्रेम सौहार्द के वातावरण में कार्यक्रम संपन्न हुआ। भोजन प्रसाद के उपरांत सभी आर्यजन अपने घरों की ओर प्रस्थान कर गए।- ***सभी कार्यक्रमों की चित्रमय झांकी पृष्ठ 5 पर***

दिल्ली की आर्यसमाजों एवं आर्य संस्थाओं ने सार्वजनिक रूप से यज्ञ, साहित्य वितरण, भण्डारा, ऋषि लंगर, शोभायात्रा, भजन संध्या/काव्य संध्या, शुभकामना बैनर आदि लगाकर सैंकड़ों स्थानों पर मनाया जन्मदिवस

रोहिणी

आर्य समाज रोहिणी द्वारा महर्षि दयानंद के 196वें जन्मोत्सव एवं बोधोत्सव के उपलक्ष्य में 16 फरवरी 2020 को प्रात:काल 10:00 बजे से बालाजी काम्पलैक्स सैक्टर-8 (पाकेट बी-10) के सामने रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इससे पूर्व पंचकुंडीय विश्व कल्याण महायज्ञ में आर्य नर-नारियों ने आहुतियां दी। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य अखिलेश्वर जी एवं आचार्य विश्व बंधु शास्त्री जी ने महर्षि दयानंद के जीवन पर प्रकाश डाला। वक्ता के रूप में डॉ. रचना विमल दुबे जी का उद्बोधन एवं आचार्य देव जी के भजन अत्यंत प्रशंसनीय और प्रेरक थे। सभी रक्तदानियों का श्री सतीश सिंघल संयोजक और श्री सुरेंद्र चौधरी सहसंयोजक ने धन्यवाद किया।

बिरला लाईंस

आर्य समाज बिरला लाईंस कमला नगर द्वारा 18 फरवरी 2020 को महर्षि दयानंद सरस्वती जी का 196वां जन्मदिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आचार्य कुंवर पाल शास्त्री जी के ब्रह्मत्व में यज्ञ संपन्न हुआ, श्री गौरव आर्य जी द्वारा मधुर भजनों की प्रस्तुति से उपस्थित आर्यजन प्रेरित हुए और दिल्ली सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी के प्रेरक प्रवचनों से उपस्थित जनसमुदाय लाभन्वित हुआ। आर्य पुरोहित सभा दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष श्री प्रेमपाल शास्त्री जी, अनिल गोयल जी, श्री सत्यपाल साधना जी, श्री संजीव बजाज जी, प्रधान, श्री अजय अग्रवाल जी, श्री विश्वनाथ बंका जी, श्रीमती स्वर्ण गुप्ता जी, श्रीमती वीना आर्या जी, श्रीमती आशा गर्ग जी, श्रीमती अर्चना सिंघल जी इत्यादि महानुभाव उपस्थित थे। सभी का प्रधान जी ने धन्यवाद किया।

गुरुकुल सेक्शन शाहबाद

आर्य समाज गुरुकुल सेक्शन शाहबाद द्वारा 23 फरवरी 2020 को महर्षि दयानंद सरस्वती का जन्मोत्सव संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री रामकरण जी विधायक शाहबाद, विशिष्ठ अतिथि श्री प्रवीण शर्मा शहरी अध्यक्ष जननायक जनता पार्टी से उपस्थित हुए। श्री विजय सिंघला जी प्रधान ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। स्वामी करुणानंद जी के द्वारा यज्ञ से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सारंस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने ऋषि दयानंद के संदेशों को प्रस्तुत किया। आचार्य श्री धर्मपाल जी के प्रवचन और दयानिधि शास्त्री के भजन बहुत ही प्रेरक सिद्ध हुए। ऋषि लंगर के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सी, ब्लाक जनकपुरी

आर्य समाज सी, ब्लाक जनकपुरी ने भी महर्षि दयानंद जी का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर ऋषि लंगर लगाया आर 100 किलो आटे की पूड़ियां और छोले तथा हलवा बनाकर वितरित किया गया। यह कार्यक्रम प्रात: 10 बजे प्रारम्भ हुआ और 2 बजे तक चला। इस अवसर पर आर्य समाज और महिला आर्य समाज के सभी अधिकारी उपस्थित रहे।

सुदर्शन पार्क

आर्य समाज सुदर्शन पार्क द्वारा 18 फरवरी 2020 को महर्षि दयानंद सरस्वती के जन्मोत्सव पर विशेष भजन एवं प्रवचनों का कार्यक्रम किया गया जिसमें दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी ने उपस्थित आर्यजनों को महर्षि दयानंद सरस्वती के उपकारों से अवगत कराते हुए समाज में फैले अंधविश्वास और कुरीतियों को दूर करने का संदेश दिया। इस अवसर पर क्षेत्र के समस्त आर्यजन उपस्थित थे। भजनों में ऋषि भक्ति, राष्ट्र भक्ति और ईश्वर भक्ति की स्वर लहरियों से वातावरण गुंजायमान हो गया। श्री राकेश आर्य जी ने सभी का धन्यवाद किया।

कीर्ति नगर

आर्य समाज कीर्ति नगर द्वारा महर्षि दयानंद सरस्वती के जन्म दिवस पर ऋषि लंगर का विशेष आयोजन किया। हजारों लोगों को सब्जियों वाला पुलाव वितरित किया गया और महर्षि दयानंद सरस्वती के नाम का लगातार जय-जयकार होता रहा। साथ ही ऋषि के जीवन चरित्र पर आधारित पुस्तकें भी वितरित की गई।

दयानंद विहार

आर्य समाज दयानंद विहार द्वारा 18 फरवरी 2020 को महर्षि दयानंद के जन्मोत्सव पर विशेष ऋषि लंगर भंडारें का आयोजन किया गया। जिसमें दयानंद

- शेष सूचनाएं एवं चित्रमय झांकी पृष्ठ 5 एवं 6 पर

गौ सम्वर्धन केंद्र गाजीपुर में आयोजित ऋषि जन्मोत्सव पर खुशी से झूमते महाशय धर्मपाल जी, महाशय जी से सम्मान प्राप्त करते हुए विधायक श्री ओम प्रकाश शर्मा जी, श्री बच्चन सिंह आर्य जी एवं पूर्वी दिल्ली मण्डल के अधिकारी एवं कार्यकर्त्तागण

आर्य समाज डी ब्लाक विकासपुरी के प्रधान श्री हरीश कालरा जी बच्चों को पुरूषकृत तथा उद्बोधन करते हुए तथा उपस्थित पश्चिमी दिल्ली के अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता

अमर कालोनी में ऋषि जन्मोत्सव पर यज्ञ करते आर्य विद्यालय के विद्यार्थी एवं सम्मान प्राप्त करते श्री सोमदेव मल्होत्रा जी एवं उद्बोधन देते श्री धर्मपाल आर्य जी तथा दक्षिणी दिल्ली के आर्यजन सम्मान प्राप्त करते हुए कार्यकर्त्ता

आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली राज्य द्वारा आयोजित ऋषि बोधोत्सव 21 फरवरी 2020 रामलीला मैदान- चित्रमय झलकियां

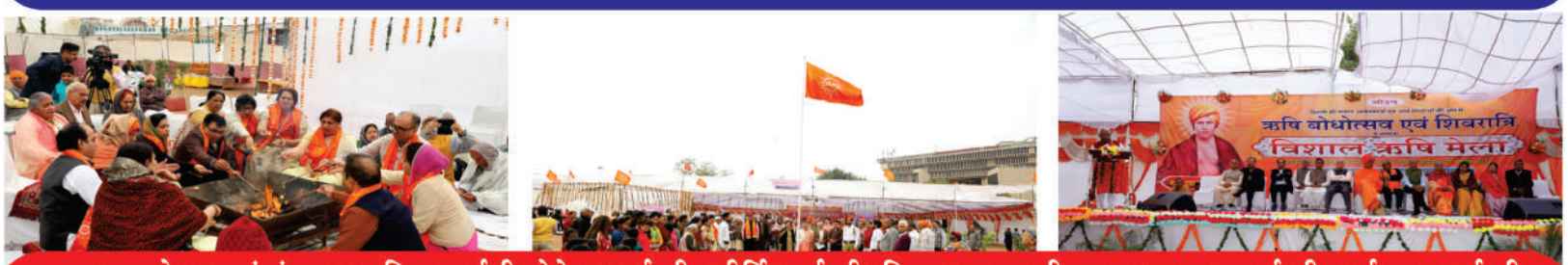

यज्ञ, ध्वजारोहण एवं मंच पर उपस्थित सर्वश्री योगेश आर्य जी, कीर्ति शर्मा जी, विक्रम नरुला जी, अरुण प्रकाश वर्मा जी, धर्मपाल आर्य जी, सुरेन्द्र रैली जी, स्वामी संपूर्णानंद जी, डॉ. रूपकिशोर शास्त्री जी, राजेन्द्र दुर्गा जी, श्रीमती उषा किरण जी, एस.पी.सिंह जी एवं अन्य महानुभाव

इस अवसर पर विश्शे उद्बोधन देते श्री धर्मपाल आर्य जी, श्री रूपकिशोर शास्त्री जी एवं स्वामी संपूर्णानंद जी

वीर हकीकत राय के जीवन पर आधारित एवं अन्य विषयों पर नाटिका प्रस्तुत करते आर्य विद्यालयों के होनहार बच्चे

ऋषि दयानंद जन्मोत्सव पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के छायाचित्र

आर्य समाज दाल बाजार लुधियाना द्वारा आयोजित गायत्री महायज्ञ में आहुति देते हुए क्षेत्रीय आर्यजन

शादी खानपुर में आयोजित ऋषि जन्मोत्सव पर स्कूल के बच्चों के साथ ध्वजारोहण करते अधिकारीगण

उत्तर प्रदेश कन्नौज में जन्मोत्सव पर शोभायात्रा निकालते आर्यजन

आर्य समाज सुदर्शन पार्क में आयोजित जन्मोत्सव पर उपस्थित पश्चिमी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के अधिकारीगण एवं आर्यजन

आर्य समाज बिड़ला लाईंस द्वारा आयोजित जन्मोत्सव में उपस्थित आर्य जन एवं शुभकामना संदेश देता बैनर

वैदिक विद्या मंदिर मालवीय नगर अवलर में 151 कुंडीय यज्ञ में आहुति देते हुए क्षेत्रीय अधिकारी एवं आर्यजन

लखनऊ उत्तर प्रदेश द्वारा शोभायात्रा का विहंगम दृश्य

वाराणसी उत्तरप्रदेश में ऋषि जन्मोत्सव का आयोजन

बलरामपुर उत्तरप्रदेश में कारागार में जन्मोत्सव मनाते आर्यजन

आर्य समाज कीर्ति नगर द्वारा आयोजित लंगर ग्रहण करते महानुभाव

आर्यसमाज गोविंदपुरी एवं आनन्द विहार द्वारा आयोजित लंगर के छायाचित्र

शोक समाचार

श्रीमती सुधा अबरोल का निधन

आर्य प्रतिनिधि सभा मुम्बई के मंत्री श्री अरुण अबरोल जी की धर्मपत्नी श्रीमती सुधा अबरोल जी के 1 मार्च 2020 को आकस्मिक निधन से दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा को गहरा आघात पहुंचा है। श्रीमती सुधा अबरोल जी का सौम्य स्वभाव, मधुर वाणी और वेद तथा ऋषि दयानंद जी के प्रति निष्ठा अनुकरणीय एवं नारी जगत के लिए प्रेरणाप्रद है। उनकी स्मृति में शांति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभ 4 मार्च को आर्य समाज शांताक्रुज मुम्बई में संपन्न हुई।

पं. सुधारक चतुर्वेदी नहीं रहे

दक्षिण भारत के सुप्रसिद्ध वैदिक विद्वान, भारत की महान विभूति, स्वतन्त्रता सेनानी, विभिन्न भाषाओं के लेखक, सामाज सुधारक पं. सुधाकर चतुर्वेदी जी का 27 फरवरी, 2020 को बैंगलोर में निधन हो गया। श्री सुधाकर जी का संपूर्ण जीवन आर्य समाज के सिद्धांतों, मान्यताओं और परंपराओं के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित रहा। आपका सौम्य स्वभाव, मधुर भाषा और परोपकारी व्यवहार मानव जाति के लिए अनुपम प्रेरणा है। आपने अपने जीवन में शुभ कर्मों की खेती करके एक पवित्र प्रेरक श्रंखला को गतिशील किया है। दिल्ली की समस्त आर्य समाजों एवं शिक्षण संस्थाओं की ओर से भावपूर्ण श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते है कि आर्य जगत के महान विद्वान पंडित सुधाकर जी की आत्मा को शांति, सद्गति प्राप्त हो और उनके परिवार को तथा आर्य समाज परिवार को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्राप्त हो, ऐसी हमारी ईश्वर से प्रार्थना है। उनका अन्तिम संस्कार पूर्ण वैदिक रीति से किया गया। उनकी स्मृति में शान्ति यज्ञ एवं श्रद्धांजलि सभा बैंगलोर में सम्पन्न हुई।

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा एवं आर्यसन्देश परिवार के समस्त अधिकारी एवं कार्यकर्त्ता परमपिता परमात्मा से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्माओं को सद्गति एवं शोक-संतप्त परिजनों को इस दारुण दु:ख को सहन करने की शक्ति, सामर्थ्य एवं उनके पदचिह्नों पर चलने की प्रेरणा प्रदान करे। -सम्पादक

Continue from last issue

Maharishi Swami Dayanand Saraswati's Beliefs

The final conclusion of philosophy acquiesced in by mankind in all times, is the only true, eternal and universal doctrine which readily obtains the implicit assent of common sense. If the folly of ignorance or the snare of priestcraft misleads some persons to contrary belief, the good sense of people in general does not voluntarily comply with them. But the doctrine which commands veneration for teaching righteouness, generosity, honesty, and justice, and whieh is stamped with the sanction and example of the learned, receives the general approval; for, the mind revolts to follow what is unsupported by the sound judgement of reason and the invariable practice of sages. The outline, therefore, of what was believed by the refined reason of all the oriental sages of antiquity from Brahma down to Jaimini, versed in the sacred lore of the Vedas, is hereto subjoined for general information. The truth, which they have taught, and which I sincerely acknowledge, is entitled to universal acceptation in all times. Hence, it is not my object to institute a new system of religion in any manner whatever. I love to follow truth, nay, I have made it my duty to persuade others to act on truth and abjure falsehood for the sake of their own good.

So, the eradication of iniquities is the end of my life. Had I been a dupe to prejudice, I would have joined anyone -of the religious sects of India. But since I neither accept what is vicious, nor reject what is virtuous in theinstitution either of this, or of any foreign-country, I am incapable of dissimulation; for, it is contrary to the duty of man.

निन्दतु नीतिनिपुणा यदि वा स्तुवन्तु, लक्ष्मी समाविशतु गच्छतु वा यथेष्टम्। अद्यैव वा मरणामस्तु युगान्तरे वा, न्याय्यात्पथ: प्रविचलन्ति पदं न धीरा:।।

To be continued.....

With thanks By:

"Flash of Truth"

पृष्ठ 3 का शेष

विहार के मुख्य द्वार पर दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक हजारों लोगों ने ऋषि लंगर ग्रहण किया और महर्षि दयानंद की जय-जयकार की। पूरे समय आर्य समाज दयानंद विहार के अधिकारी, कार्यकर्त्ता मौजूद रहें।

गोविंदपुरी

आर्य समाज गोविंदपुरी द्वारा महर्षि दयानंद के जन्मोत्सव पर ऋषि लंगर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आर्य समाज के अधिकारी और कार्यकर्त्ताओं ने पूरे समय सेवाएं प्रदान की। हजारों की संख्या में वृद्ध, युवा और बच्चों ने ऋषि लंगर ग्रहण किया।

शादी खानपुर

महर्षि दयानंद सरस्वती के जन्मोत्सव पर आर्य समाज मंदिर वाली गली शादी खानपुर में महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल के बच्चों, अधिकारियों, सदस्यों एवं अध्यापिकाओं द्वारा यज्ञ, भजन और प्रभातफेरी का आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर बच्चों ने एक सुंदर प्रेरक नाटिका का आयोजन भी किया। क्षेत्रीय निगम पार्षद द्वारा प्रभातफेरी का अभिनंदन भी किया गया। बहुत ही उमंग, उत्साह और उल्लास से सभी लोग प्रभातफेरी में सम्मिलित हुए और पुस्तकों का वितरण भी किया गया।

श्रीनिवास पुरी

दक्षिणी दिल्ली की समस्त आर्य समाजों की ओर से रविवार 23 फरवरी 2020 को आर्य समाज श्रीनिवास पुरी में महर्षि दयानंद सरस्वती का बोधोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर महर्षि दयानंद सरस्वती वेद और आर्य समाज विषय पर डॉ. योगानंद शास्त्री, श्री धर्मपाल आर्य जी, श्री विनय आर्य जी, आचार्य विद्या प्रसाद मिश्र जी, डॉ. पूर्ण सिंह डबास जी, श्री रवि देव गुप्ता जी, श्री राकेश भटनागर जी आदि महानुभावों ने विस्तार से अपने विचार प्रस्तुत किए।

ओ३म्

भारत में फैले सम्प्रदायों की निष्पक्ष व तार्किक समीक्षा के लिए उत्तम कागज़, मनमोहक जिल्द एवं सुन्दर आकर्षक मुद्रण (द्वितीय संस्करण से मिलान कर शुद्ध प्रामाणिक संस्करण)

सत्य के प्रचारार्थ

सत्यार्थ प्रकाश

सत्य के प्रचारार्थ

● प्रचार संस्करण (अजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 50 रु.	प्रचारार्थ 30 रु.	प्रचारार्थ मूल्य पर कोई कमीशन नहीं
● विशेष संस्करण (सजिल्द) 23×36÷16	मुद्रित मूल्य 80 रु.	प्रचारार्थ 50 रु.	
● स्थूलाक्षर सजिल्द 20×30÷8	मुद्रित मूल्य 150 रु.		प्रत्येक प्रति पर 20% कमीशन

10 या 10 से अधिक प्रतियाँ लेने पर विशेष अतिरिक्त कमीशन

कृपया, एक बार सेवा का अवसर अवश्य दें और महर्षि दयानन्द की अनुपम कृति **सत्यार्थ प्रकाश** के प्रचार प्रसार में सहभागी बनें

आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट
427, मन्दिर वाली गली, नया बांस, दिल्ली-6

Ph. :011-43781191, 09650522778
E-mail : aspt.india@gmail.com

सोनीपत हरि.

आर्य केंद्रीय सभा सोनीपत द्वारा 21 फरवरी 2020 को महर्षि दयानंद सरस्वती बोधोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. देव शर्मा वेदालंकार जी के प्रेरक प्रवचन एवं पं. अमृता शास्त्री जी के मधुर भजन बड़े ही सारगर्भित और प्रशंसनीय सिद्ध हुए। विशिष्ठ अतिथि के रूप में प्रो. अनिल रुद्रा जी प्रख्यात भौतिकी प्राध्यापक एवं समाज सेवी उपस्थित हुए।

फरीदाबाद हरि.

फरीदाबाद हरियाणा में महर्षि दयानंद सरस्वती के जन्मोत्सव पर सभी क्षेत्रीय आर्य जन एकत्रित हुए और सभी ने यज्ञ में आहुति दी। महर्षि दयानंद सरस्वती की शिक्षाओं को याद करते हुए उपस्थित जनसमूह ने मानव सेवा का संकल्प लिया। इस अवसर पर फरीदाबाद जिले के सभी कार्यकर्त्ता, अधिकारी उपस्थित थे।

गुरुग्राम हरि.

गुड़गांव जिले की सभी आर्य समाजों की ओर से महर्षि दयानंद सरस्वती के 196वें जन्मोत्सव पर प्रभातफेरी का आयोजन किया गया। इस प्रभातफेरी में क्षेत्र के समस्त आर्य नेता, अधिकारी, कार्यकर्त्ता, सदस्य, बच्चे, युवा और वृद्धजन सम्मिलित हुए। चारों तरफ उमंग, उल्लास और उत्साह का वातावरण था। महर्षि दयानंद की जय-जयकार और आर्य समाज अमर रहे के नारें गूंजते रहे।

वाराणसी उ. प्र.

जिला सभा वाराणसी एवं आर्य वीर दल वाराणसी के सयुंक्त तत्वावधान में 18 फरवरी 2020 को 80घाट पर महर्षि दयानंद सरस्वती जी का जन्मदिन उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर यज्ञ, भजन एवं प्रवचनों के प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिससे हजारों की संख्या में आर्यजन एकत्रित हुए।

कन्नौज उ. प्र.

आर्य समाज नंगलाखेम करण उत्तरप्रदेश द्वारा एक विशाल जन जागरण यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें जनपथ कन्नौज उत्तर प्रदेश के आर्यजन उपस्थित हुए और सभी ने आर्य समाज के संगठन के रूप में शक्ति का परिचय देते हुए ऋषि दयानंद का जय-जयकार किया तथा ऋषि की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाया।

गुजरात

महर्षि दयानंद सरस्वती जी की जन्मभूमि टंकारा में उनके 196वें जन्मोत्सव पर विशेष आयोजन किए गए। इस अवसर पर प्रसिद्ध उद्योगपति एवं महर्षि दयानंद सरस्वती जी के अनन्य भक्त श्री योगेश मुंजाल जी, श्री अरुण अबरोल जी एवं अन्य अनेक ऋषि भक्तों ने यज्ञ में आहुति दे कर आर्य समाज के उत्थान और विस्तार की ईश्वर से प्रार्थना की।

उदयपुर राजस्थान

महर्षि दयानंद सरस्वती के 196वें जन्मोत्सव पर विशाल शोभायात्रा का आयोजन किया गया जिसमें दयानंद कन्या विद्यालय उदयपुर सहित अन्य कई विद्यालयों के बच्चों ने भारी संख्या में हिस्सा लिया। यह शोभायात्रा प्रात: 9 बजे प्रारंभ होकर दोपहर को आर्य समाज हिरणमर्गी में संपन्न हुई। सारे रास्ते बच्चे ऋषि दयानंद की जय-जयकार और आर्य समाज अमर रहे के नारे लगाते रहे।

त्रिपुरा

महर्षि दयानंद के 196वें जन्मोत्सव पर त्रिपुरा में नन्हें-मुन्ने बच्चे सिर पर पगड़ी पहने, हाथ में ओम् ध्वज और वेद थामे हुए नजर आए। यह दृश्य अपने आपमें अद्भुत और अनुपम प्रेरक सिद्ध हुआ।

प्रथम पृष्ठ का शेष

महर्षि दयानन्द सरस्वती की जन्मस्थली टंकारा के सौन्दर्यकरण कार्य ....

21 फरवरी 2020 महर्षि दयानंद सरस्वती की जन्मभूमि टंकारा में ऋषि दयानंद जन्मभूमि न्यास ट्रस्ट द्वारा ऋषि बोधोत्सव का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर आर्य समाज के उत्थान और विस्तार को अपने जीवन का प्रमुख लक्ष्य और उद्देश्य मानकर उन्मुक्त हृदय से बड़ी से बड़ी धनराशि दान देने वाले पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी ने ऋषि जन्मभूमि स्मारक के नवीनीकरण एवं सौंदर्यकरण का अपने करकमलों से शिलान्यास करते हुए 2 करोड़ की पहली धनराशि प्रदान करने की घोषणा की। महाशय जी द्वारा की गई इस घोषणा का समूचे आर्य जगत सहित गुजरात के महामहिम राज्यपाल श्रीमान आचार्य देवव्रत जी तथा गुजरात के सम्मानीय मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी जी आदि सभी महानुभावों ने स्वागत किया। श्री विजय रूपाणी मुख्यमंत्री गुजरात ने इस अवसर पर महर्षि दयानंद सरस्वती के उपकारों को याद करते हुए गुजरात सरकार की ओर से महर्षि की जन्मभूमि को विश्व स्तरीय बनाने में गुजरात की ओर से पूरा आर्थिक सहयोग देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी जी ने राजकोट और टंकारा के बीच डी.ए.वी. कॉलेज बनाने के लिए जमीन देने की घोषणा करते हुए अपने उद्बोधन में आर्य समाज द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे योगदान की भी प्रशंसा की। गुजरात के महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी ने आर्य जनों को प्रेरित करते हुए अपने उद्बोधन में कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती मेरे और आप सबके गुरु हैं। उनका स्मारक किसी भी गुरु के स्मारक से बड़ा और सुंदर बनना ही चाहिए। इसके लिए सभी आर्यजन एकजुट होकर सहयोग करें। स्मारक सौदर्य करण और विकास में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहेगी, मेरे द्वार सदैव इस महान कार्य के लिए खुले हुए हैं। आप इसका प्रोजैक्ट तैयार करें धन का कोई अभाव नहीं रहेगा।

इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद परिव्राजक जी को आर्य समाज के उत्कृष्ट प्रचार-प्रसार के लिए सम्मानित भी किया गया और आर्य समाज के प्रेरक श्री सत्यानंद मुंजाल जी के जीवन पर आधारित एक कॉफी टेबल बुक का विमोचन किया गया। ज्ञात हो कि श्री सत्यानंद मुंजाल जी महर्षि दयानंद सरस्वती के अनन्य भक्त और समर्पित सेवाभावी आदर्श महापुरुष थे। उन्होंने अपने परिवार को वैदिक धर्म, संस्कृति और संस्कार विरासत में दिए हैं। आज यहां श्री योगेश मुंजाल जी, श्री उमेश मुंजाल जी और श्रीमती अंजु मुंजाल जी तथा उनका परिवार उपस्थित रहा तथा सभी ने इस महान कार्य के लिए सहयोग देने की घोषणा करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। श्रीमती अंजु मुंजाल जी ने कहा कि हमारे पूज्य पिता जी हमेशा यही चाहते थे कि ऋषि जन्मभूमि बहुत सुंदर और विशाल बने। आज उनका सपना पूरा हो रहा है। इसकी हमें बहुत खुशी है। एम.डी.एच. परिवार के वरिष्ठ सदस्य श्री प्रेम अरोड़ा जी ने ऋषि जन्मभूमि टंकारा को नमन करते हुए बताया कि पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी द्वारा दी गई यह पहली 2 करोड़ की राशि है। महाशय जी के परिवार की भावना और कामना है कि महर्षि दयानंद जी की यह जन्मभूमि बहुत सुंदर और आकर्षक बने।

टंकारा ट्रस्ट के उपमंत्री श्री अजय सहगल जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती जी की जन्मभूमि टंकारा पिछले 70 वर्षों से आर्य समाज की आस्था और निष्ठा का केंद्र है। आज हम हर वर्ष की तरह ऋषि बोधोत्सव पर उपस्थित आर्यजनों से प्रार्थना करते हैं कि जो भी इस ऋषि की जन्मस्थली के सौंदर्यकरण में सहयोग देना चाहे उनका स्वागत है। जल्द ही यह ऋषि स्मारक बहुत सुंदर और विशाल बनेगा। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री सुरेशचंद्र आर्य जी ने गुजरात के मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी जी और महामहिम राज्यपाल आचार्य देवव्रत जी के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि दोनों महानुभावों के निर्देशन और सहयोग से तथा पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी जो आर्य समाज के भामाशाह हैं, उनके द्वारा दी गई दानराशि से ऋषि की जन्मस्थली भव्य, विशाल और सुंदर बनेगी। उत्तराखण्ड आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री विनय विद्यालंकार जी ने आर्यों की भावना को साकार मानते हुए कहा कि ऋषि स्मारक जहां एक तरफ भव्य और सुंदर बनेगा वहीं दूसरी ओर तरफ आधुनिक डिजिटलीकरण की व्यवस्था की जाएगी जिससे ऋषि के जन्म और जीवन से जुड़ी हुई हर घटना से लोग प्रेरणा ले सकें। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के महामंत्री श्री विनय आर्य जी ने अपने हृदय के उदगार व्यक्त करते हुए कहा प्रत्येक आर्य समाजी की आत्मिक श्रद्धा है कि ऋषि स्मारक बहुत सुंदर बने, प्रेरक बने और विश्व को दिशा देने वाला बने। पद्मभूषण महाशय धर्मपाल जी ने आज एक शुरूआत की है जहां ऋषिवर का जन्म हुआ उस स्थली को बहुत भव्य विशाल, और सुंदर भवन बनाने के लिए एक बड़ी सहयोग राशि दी है। इसके साथ-साथ पूरे स्मारक परिसर को विशाल और सुंदर बनाने की दिशा में एक नई आशा का उदय हुआ है। सभी आर्यजन इस कार्य के लिए आगे आएं और ऋषि स्मारक को भव्य और विशाल बनाए।

इस तरह 21 फरवरी 2020 का दिन आर्य समाज के इतिहास में एक स्वर्णिम प्रेरणा दिवस के रूप में अंकित हो गया। इस अवसर पर पूरे भारत से हजारों की संख्या में आर्यजन उपस्थित थे। कई प्रांतीय सभाओं के अधिकारी, कार्यकर्त्ता और सदस्य उपस्थित थे। चारों ओर उमंग, उत्साह और उल्लास का वातावरण था। सबने ऋषि दयानंद की जन्मभूमि टंकारा को नमन किया और इसे सुंदर तथा प्रेरक बनाने के लिए सहयोग करने का संकल्प लिया। प्रेम सौहार्द के वातावरण में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

- अजय सहगल, उपमन्त्री

प्रेरणाप्रद विभिन्न कार्यक्रमों के साथ आर्य केन्द्रीय सभा दिल्ली राज्य द्वारा ऋषि बोधोत्सव संपन्न

आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली राज्य के तत्त्वावधान में रामलीला मैदान के विशाल प्रांगण में 21 फरवरी 2020 को महर्षि दयानंद सरस्वती के बोधोत्सव पर ऋषि मेले का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के शुभारंभ में आचार्या आयुषी आर्या जी के ब्रह्मत्व में यजमान श्रीमती कविता एवं श्री अजय कालरा जी, श्रीमती अनीता व श्री राजीव कांत कुमार जी, श्रीमती रोजी एवं श्री रवि आहूजा जी, श्रीमती मोनिका जी एवं श्री विश्वास वर्मा जी इत्यादि महानुभावों ने यज्ञ में आहुति देकर सबके लिए मंगलकामना की। ज्ञात हो कि 21 तारीक की सुबह तेज हवाएं चल रही थी और उससे पहले बारिश भी हुई थी। लेकिन इन तमाम विपरीत परिस्थितियों को पीछे करते हुए आयोजकों एवं ऋषि भक्तों ने समय पर ही कार्यक्रम का शुभारंभ किया और यज्ञ के उपरांत श्री रामलाल आहूजा जी उपप्रधान आर्य समाज रानी बाग ने ओम् ध्वज फहराया। इसके साथ संगीतमय ध्वजगीत से सारा वातावरण गुंजायमान हो उठा।

मधुर-प्रेरक भजनों को सुन झूम उठे आर्यजन

महर्षि दयानंद सरस्वती की जन्मदिन के 3 दिन पश्चात् जब ऋषि बोधोत्सव का अवसर आया तो कुमारी अराधना शर्मा जी एवं श्री कुलदीप आर्य जी के भजनों पर उपस्थित आर्य समुदाय झूम उठा। कुमारी अराधना द्वारा गायी गई ऋषि गाथा को सुनकर आर्यजन फूले नहीं समा रहे थे। सूरज बन जिसने दूर किया पापों का घोर अंधेरा, और वंदे मातरम इत्यादि भजनों का सारगर्भित संदेश और ऋषि के प्रति कृतज्ञता का भाव सबके मन को मोहित कर रहा था। श्री कुलदीप आर्य जी के भजन बड़े सारगर्भित व प्रेरणादायी सिद्ध हुए।

सांस्कृतिक प्रस्तुति एवं नाटिकाओं से मिला जागृति का संदेश

समाज सेवी व आर्य विद्यालयों में विशेष योगदान दे रहे माननीय अतिथि श्री राजकुमार जी को सहसम्मान गणमान्य आर्यजनों के साथ प्रथम पंक्ति में बिठाया गया। ऋषि बोधोत्सव के अवसर पर आर्य शिशुशाला ग्रेटर कैलाश पार्ट-1 के बच्चों ने वह शक्ति हमें दो दयानिधे कर्त्तव्य मार्ग पर डट जाएं के भजन से आरंभ की। इसके उपरांत बाल वीर हकीकत राय के बलिदान पर आधारित नाटिका ने उपस्थित जनसमुदाय को धर्म पर मर मिटने का ऐसा संदेश दिया कि जिससे सभी की आंखें नम हो गई। इससे पूर्व शिशुशाला के विद्यार्थी कुमार सूर्य नारायण ने बड़ी ही संतुलित भाषा में नाटिका की भूमिका को लेकर प्रेरक उद्बाधन दिया जो कि आपने आपमें बहुत ही प्रेरक सिद्ध हुआ। इसके उपरांत रत्नचंद आर्य पब्लिक स्कूल सरोजिनी नगर के बच्चों ने अब रास्ता कर दो खाली आई फौज दयानंद वाली पर नृत्य करके सबके मन को मोहित कर लिया।

प्रेरक उद्बोधन

ऋषि बोधोत्सव के मुख्य अतिथि डॉ. रूप किशोर शास्त्री, कुलपति गुरुकुल कांगड़ी हरिद्वार ने अपने उद्बोधन में कहा कि मानव मात्र के विवेक को जागृत करने वाले महर्षि दयानंद सरस्वती थे। जिन्होंने अविद्या, विद्या, अंधेरे-उजाले का भेद बताया। समाज में फैले अंधविश्वास और कुरीतियों को दूर भगाया। ऐसे ऋषि दयानंद जिन्होंने सत्यार्थ प्रकाश के द्वारा प्रत्येक प्रश्न का समाधान कर दिया। ऋषिवर से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। स्वामी संपूर्णानंद सरस्वती ने अपने विस्तृत उद्बोधन में महर्षि दयानंद सरस्वती के द्वारा किए गए उपकारों को याद करते हुए भारत की वर्तमान परिस्थितियों का विस्तार से जिक्र किया और संपूर्ण मानव मात्र को जागृत होकर महर्षि दयानंद, आर्य समाज और वेद पथ पर चलने के लिए प्रेरित किया। दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री धर्मपाल आर्य जी ने शिवरात्रि पर्व को जागृति पर्व बताते हुए अपने मन में शिवसंकल्प धारण करने की बात कही। हालैंड से पधारी पंडिता श्यामा जी ने गौरव महसूस करते हुए ऋषि दयानंद के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की और कहा कि हमें विदेशों में रहकर भी अपने आर्य होने पर गर्व हैं। उन्होंने हालैंड आने का निमंत्रण दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री सुरेंद्र रैली जी वरिष्ठ उपपधान आर्य केंद्रीय सभा ने सभी को ऋषि दयानंद से प्रेरणा लेने और सेवा साधना के पथ पर आगे बढ़ने का संदेश दिया।

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मान

ऋषि बोधोत्सव के अवसर पर आर्य केंद्रीय सभा दिल्ली राज्य की ओर से उन सभी महानुभावों को सम्मानित किया गया जो आर्य समाज के उत्थान में अपने उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कर रहें हैं। जिनमें श्रीमती अनीता कुमार धर्मपत्नी श्री राजीवकांत कुमार जी को माता छज्जि देवी आर्या विद्वान पुरस्कार, आचार्या आयुषी, आर्या सुपुत्री श्री सुरेश पाल राणा जी को श्री लालमन आर्य वैदिक विद्वान पुरस्कार, श्री मनोज कुमार नेगी सुपुत्र श्री जगदीश सिंह नेगी को श्री रामकृष्ण तनेजा सेवा सम्मान, एवं कुमार सूर्य नारायण सुपुत्र श्री सौरव भारद्वाज को भी सम्मानित किया गया। सम्मानित करने वालों में श्री धर्मपाल आर्य जी, श्री सुरेंद्र रैली जी, श्री अरुण प्रकाश वर्मा जी, श्री कीर्ति शर्मा जी, श्री एस.पी.सिंह जी, श्रीमती उषा किरण जी, स्वामी संपूर्णानंद जी, डॉ. रूपकिशोर शास्त्री जी, आदि उपस्थित थे।

बोद्धोत्सव पर आयोजित विशाल ऋषि मेला की विभिन्न व्यवस्थाओं में प्रात:कालीन शुभारंभ यज्ञ से होता है। यज्ञ व्यवस्था को आदरणीय श्री कंवर भान खेत्रपाल जी, श्री योगेश आर्य जी, एस.एम.आर्य पब्लिक स्कूल के सहयोगी तथा प्रचारक प्रकल्प के कुछ साथियों ने बहुत ही सुंदर विधिवत् तरीके से यज्ञ संपन्न कराया। भोजन व्यवस्था श्री हरि ओम बंसल जी के नेतृत्व में श्री ओम प्रकाश गुप्ता जी प्रधान पूर्वी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल के विशेष सहयोग से बहुत सुचारू रूप से होती रही। इसमें विशेष योगदान सुनेहरी लाल यादव, श्री अभिमन्यु चावला,

- शेष समचार पृष्ठ 8 पर एवं चित्रमय झांकी पृष्ठ 5 पर

साप्ताहिक आर्य सन्देश

सोमवार 2 मार्च, 2020 से रविवार 8 मार्च, 2020

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान् रोड, नई दिल्ली-110001

दिल्ली पोस्टल रजि.नं0 डी.एल.(एन.डी.)-11/6071/2018-19-2020

नई दिल्ली पी.एस.ओ. में पोस्ट करने का दिनांक 05-06 मार्च, 2020

पूर्व भुगतान किए बिना भेजने का लाइसेन्स नं. यू. (सी.) 139/2018-19-2020

आर. एन. नं. 32387/77 प्रकाशन तिथि: बुधवार 4 मार्च, 2020

पृष्ठ 7 का शेष

श्री ओम प्रकाश पाण्डेय, कुमारी नितू, श्रीमती संजना व उनकी सखी-सहेलियां, एक ओर सज्जन थे जिनके काम को देखकर हमें प्रेरणा लेनी चाहिए, अपरिचित थे वह आर्य सज्जन, सफाई व्यवस्था, टेबलों की सफाई, भोज पत्रों को बिछाना और वहां पर कूड़ा इक्टठा न हो यह व्यवस्था वह सज्जन बड़े मग्न होकर कर रहे थे। सभी सदस्यों का बहुत-बहुत धन्यवाद। ध्वजारोहण व मंच संचालन व अन्य व्यवस्थाओं में श्री बृहस्पति आर्य के नेतृत्व में प्रचारक प्रकल्प के बहुत सारे सदस्य अपना पूरा योगदान और सहयोग भी दे रहे थे। सभी का हार्दिक धन्यवाद।

स्टाल व्यवस्था - वैदिक साहित्य, ओम् ध्वज, यज्ञ पात्र, आयुवैदिक औषधियां आदि की संपूर्ण स्टाल बहुत सुंदर तरीके से सजाए गए थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में सर्वश्री धर्मपाल आर्य प्रधान दिल्लीआर्य प्रतिनिधि सभा, श्री सुरेन्द्र रैली, श्री योगेश आर्य जी, श्री विक्रम नरुला जी, श्रीमती उषा किरण आर्या, श्री कीर्ति शर्मा जी, श्री सतीश चड्डा जी, महामंत्री आर्य केन्द्रीय सभा, श्री अरुण प्रकाश वर्मा, श्री जयप्रकाश शास्त्री जी, श्री एस.पी. सिंह, श्री शिव कुमार मदान, श्री जय प्रकाश शास्त्री, श्री राजेन्द्र दुर्गा, श्री चन्द्रमोह आर्य ने विशेष सहयोग किया।

प्रथम पृष्ठ का शेष

किन्तु स्थाई केन्द्र न होने के कारण कार्यों का स्थायित्व नहीं हो पा रहा था। सार्वदेशिक सभा की ओर से किए जा रहे प्रयासों से अब आर्यसमाज को भूमि प्राप्त हो गई है। इस केंद्र से न केवल सिक्किम की जनता को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा का लाभ मिलेगा बल्कि साथ ही साथ उच्च मापदंड वाली सेवाओं का लाभ भी मिल सकेगा। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग जी ने राज्य में शिक्षा और सेवा केंद्र की स्थापना हेतु सिक्किम के राज्यपाल महामहिम गंगाप्रसाद जी की गरिमामयी उपस्थिति में आवंटित भूमि के कागजात श्री विनय आर्य जी एवं श्री जोगिन्दर खट्टर जी को सौंपे। सिक्किम के राज्यपाल महामहिम गंगाप्रसाद जी ने आर्य समाज द्वारा इस लोकोपकारक कार्य को करने के लिए आर्य समाज का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आर्य समाज की ओर से उपस्थित सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि के उपमंत्री विनय आर्य जी एवं अखिल भारतीय दयानंद सेवाश्रम संघ के महामंत्री जोगिंदर खट्टर जी ने राज्यपाल महामहिम गंगाप्रसाद जी एवं मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग जी का पीत वस्त्र पहनाकर सम्मान किया एवं मुख्यमंत्री जी को वेद भगवान पुस्तक भेंट किया।

- जोगेन्द्र खट्टर, महामन्त्री

बच्चों को दें ज्ञानवर्धक एवं मनोरंजन से भरपूर शहीदों की

प्राप्ति स्थान

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा

15 हनुमान रोड, नई दिल्ली -

प्रतिष्ठा में,

दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा के लिए मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक श्री धर्मपाल आर्य द्वारा हरिहर प्रैस, ए-29/2, नरायणा औद्यो. क्षेत्र-1, नई दिल्ली-28 से मुद्रित एवं दिल्ली आर्य प्रतिनिधि सभा, 15-हनुमान रोड, नई दिल्ली-1; फोन : 23360150; 23365959; E-mail : aryasabha@yahoo.com; Web : www.thearyasamaj.org से प्रकाशित

सम्पादक : धर्मपाल आर्य सह सम्पादक : विनय आर्य व्यवस्थापक : शिवकुमार मदान सह व्यवस्थापक : आर्य डॉ० ओमप्रकाश भटनागर, एस. पी. सिंह